# विषयानुक्रमणिका


पृ. सं.

**भूमिका** 1 - 4

**अध्याय 1 : अनुवाद की भारतीय परंपरा** 5 - 19

**(क) हिंदी से उर्दू साहित्य में अनुवाद परंपरा**

**(ख) उर्दू से हिंदी साहित्य में अनुवाद परंपरा**

1.2: भारत में परस्पर अनुवाद की आवश्यकता

1.3: उर्दू से हिंदी एवं हिंदी से उर्दू भाषा में परस्पर अनुवाद की आवश्यकता

**अध्याय 2 : कुर्रतुल-ऐन-हैदर का साहित्यिक योगदान** 20 - 38

**2.1: साहित्यिक रचनाएँ**

2.1.1: उपन्यास

2.1.2: लघु-उपन्यास

2.1.3: कहानी-संग्रह

2.1.4: रिपोर्ताज़

2.1.5: अनुवाद

2.1.6: योगदान एवं उपलब्धि

2.1.7: सम्मान

**अध्याय 3 : 'सीता हरण' लघु उपन्यास का उर्दू से हिंदी अनुवाद (व्यावहारिक)** **39 -155**

**अध्याय 4 : उर्दू से हिंदी अनुवाद में आने वाली समस्याएँ** **156 – 174**

**4.1: साहित्यिक एवं सामाजिक समस्याएँ**

**4.2: भाषिक समस्याएँ**

4.2.1: शब्ध के स्तर पर

4.2.2: ध्वनि के स्तर पर

4.2.3: अर्थ के स्तर पर

4.2.4: वाक्य के स्तर पर

4.2.5: रूप के स्तर पर

4.2.6: लिपि के स्तर पर

शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, समतुल्य अर्थ

**उपसंहार** **175 - 179**

**संदर्भ ग्रंथ-सूची** **180 - 183**